Date :

HISTORY
B.A. I (Sub)

18-04-2020
DR. UDAY KUMAR

UNIT – III

(B) Alauddin Khalizi

अलाउद्दीन खिलजी की दक्षिण नीति की समीक्षात्मक अध्ययन।

→ उत्तरी भारत के अतिरिक्त दक्षिण भारत में भी खिलजी ने सैनिक अभियान किया। दक्षिण के राज्यों पर विजय प्राप्त करना सहज नहीं था, फिर भी अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण विजय की योजना बनाई। दक्षिण पर अधिकार कर वह अपनी दक्षिण राजनीतिक महत्वकांक्षा को

SELCO

Date :

पूरा करना तो चाहता ही था। साथ ही वहाँ से धन भी प्राप्त करना चाहता था।

दक्षिण में इस समय चार प्रमुख राज्य थे। देवगिरी, होयसल तेलंगाना, पांड्य राज्य।

दक्षिण राज्यों के प्रति अलाउद्दीन ने एक निश्चित नीति निर्धारित की। वह इन राज्यों को अपने राज्य में मिलाना नहीं चाहता था बल्कि उसकी अधीनता स्वीकार कराना चाहता था। क्योंकि बड़े साम्राज्य पर शासन करना किसी भी राज्य के सैनिक की बहुत शक्ति को बढ़ाना पड़ता था तथा भौगोलिक क्षेत्र अधिक बड़ा हो जाने के कारण वहाँ पर विद्रोह हो जाने की संभावना बनी रहती।

फलस्वरूप वह इन राज्यों

Scanned with CamScanner

Date :

को अपनी अधीनता स्वीकार करा कर ही संतुष्ट हो गया। फलस्वरूप वह इन कठिनाईयों से बच गया जिनका सामना मुहम्मद तुगलक को दक्षिण में सुल्तान के विस्तारवादी नीति के परिणाम स्वरूप करना पड़ा।

देवगिरी, तेलंगाना, होयसल पांड्य आदि राज्यों पर विजयों के फलस्वरूप अलाउद्दीन खिलजी के साम्राज्य की सीमा अत्यधिक विस्तृत हो गई। दक्षिण विजय के फलस्वरूप अलाउद्दीन खिलजी पूरे भारत को एक राजनीतिक सूत्र में बाँध दिया इसके साथ-साथ इसने दक्षिण की शक्ति तथा एवं उसकी व्यवस्था पर

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

कुठाराघात किया। लेकिन दक्षिण की विजयी स्थाई नहीं हुई।

सांस्कृतिक रूप से दक्षिण अभियानों के परिणामस्वरूप दक्षिण में इस्लाम धर्म का प्रभाव बढ़ा और मुस्लिम सभ्यता - संस्कृति का विस्तार हुआ। दक्षिण से प्रचुर मात्रा में धन भी लाया गया। जिससे सल्तनत की आर्थिक समृद्धि हुई। जिससे सल्तनत कालीन सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक सुदृढ़ता प्रदान करने में योगदान हुआ।

DR. UDAY KUMAR